भजन

रूह नैनां खोले तो,दीदार हो जाए
पिया चरणों में तेरे,साथ जग जाए

1- सुख अपनी निसवत के,साक्षात मिल जाए
पिया आप जो चाहो,तो बात बन जाए
फिर हुकम इलम को छोड़,तेरा इश्क मिल जाए

2- जब फैल हाल तेरे,रूहों को मिल जाए
तेरी वाहेदत में जो एक हैं,वो एक हो जाए
कहनी से जुदा होकर,रहनी में आ जाए

3- जिस दिल में पिया हर पल,बस तुम ही रहते हो
अपने ही इलम से अपना,सुख लज्जत देते हो
वो लज्जत लेकर के,दिल वापिस फिर जायें

4- बस एक पलक का ही,ये खेल दिखाया है
अपने ही इलम से तो तुमने समझाया है
वो पल वो घड़ी सायत,पिया अब तो कट जायें

5- जब रूबरू तेरे,तेरी रूहें होवेंगी
नैनों से नैनों का,अमीरस रस पीवेंगी
वो नैन नजारा नूरी,तेरा अब तो मिल जाए